केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 135 रविवार 8 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

आन्दोलन में शामिल खान सर अस्पताल में भर्ती

पटना (आभा)। बिहार के प्रसिद्ध कोचिंग संचालक और यूट्यूब टीचर के रूप में सोशल मीडिया के स्टार खान सर की सेहत खराब हो गई है। उन्हें पटना एक प्रभात मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां डॉक्टर की देख रेख में उनका इलाज किया जा रहा है। बीपीएससी ऑफिस पर प्रदर्शन कर रहे छात्र छात्राओं पर लाठी चार्ज की घटना के बाद खान सर शुक्रवार को सड़क पर उतर गए थे। उनके साथ गुरु रहमान भी थे। करीब सात घंटों तक बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ प्रदर्शन करने के कारण उनकी हालत बिगड़ गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खान सर डिहाइड्रेशन के साथ फीवर और कमजोरी की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को लगातार सात घंटे से अधिक समय तक वे छात्रों के आन्दोलन का नेतृत्व करते रहे। उसके बाद खबर आई कि खान सर को पुलिस ने पकड़ लिया है।

कृषि, बीज की दूकानों पर छापा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डीएम के निर्देश पर भानपुर तहसील प्रशासन व कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने कृषि बीज भंडार की दुकानों पर छापेमारी की। गुणवत्ता जांचने के लिए नायब तहसीलदार भानपुर कृष्णमोहन यादव व उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी हरेंद्र कुमार ने मानिकचंद व सोनहा में तीन दुकानों पर बीज और रसायन विक्रेताओं के यहां जांच किया, कई खामियां पाई गई।

सोनहा बाजार में वेद बीज भंडार दुकान पर बीज और कृषि रसायनों की जांच कर नमूने लिए गए। कंसाईन ट्रेडर्स पर एक्सपॉयरी रसायन मिलने पर लाईसेंस जप्त कर लिया गया। मुकदमा दर्ज कराने का निर्देश देते हुए दुकान पर उपलब्ध बीज का नमूना लिया। जांच में पाया कि यूरिया व डीएपी महंगे दाम पर बेची जा रही है। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी ने बताया कि मानिकचंद में एक व सोनहा में दो दुकानों की जांच की गई। गुणवत्ता परखने के लिए नमूने लिए गए हैं। जांच के लिए नमूनों को प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में तीन मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील भानपुर में सम्पन्न हुआ। उन्होने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों का निस्तारण प्रत्येक दशा में निष्पक्षता, समयबद्धता, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करें, प्रत्येक प्रकरण की जांच के समय शिकायतकर्ता का पक्ष अवश्य सुना जाए तथा सभी तथ्यों की मैंलीभाँति जांच करने के उपरान्त ही प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए।

उप जिलाधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि कुल 34 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें से 3 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व के 13, पुलिस के 9, विकास के 6, विद्युत के 2, गन्ना के 2 तथा चकबन्दी व बैंक के 1–1 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, डीएफओ जय प्रकाश, डीपीआरओ रतन कुमार, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पीएम मोदी को बम से उड़ाने की धमकी

मुम्बई (आभा)। मुंबई पुलिस को शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी को जान से मारने की धमकी भरा मैसेज मिला। मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर आए इस मैसेज में लिखा गया था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के दो एजेंट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बम से उड़ाने की साजिश रच रहे हैं। मैसेज मिलते ही मुंबई पुलिस टीम अलर्ट हो गई। धमकी भरे संदेश पर पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस नंबर से यह मैसेज मिला था हमने उसकी जांच की थी। हमें पता चला कि यह नंबर अजमेर राजस्थान से संबंधित है। संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ने के लिए हमारी एक टीम तुरंत राजस्थान के लिए रवाना हो गई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमारी ट्रैफिक कंट्रोल टीम की हेल्पलाइन पर सुबह तड़के ही धमकी भरा यह मैसेज मिला था। इस मैसेज में आईएसआई के दो एजेंटों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या की साजिश के बारे में बताया गया था। इस संदेश की मानें तो दोनों एजेंट पीएम मोदी को बम से उड़ाने की साजिश बना रहे हैं।

अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं को संदेह है कि धमकी देने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान या फिर शराब के नशे में हो सकता है। इस मामले में अभी जांच चल रही है। हालांकि उक्त व्यक्ति के खिलाफ संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मुंबई पुलिस की हेल्पलाइन पर पहले भी इस तरह की धमकी भरे फोन और मैसेज आ चुके हैं।

मुण्डेरवा के किसान मेले में हिस्सा लेंगे राकेश टिकैत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 11 दिसम्बर बुधवार को मुण्डेरवा में शहीद किसान मेला और किसान महापंचायत का आयोजन होगा। इसमें बड़ी संख्या में किसान और मजदूर हिस्सा लेंगे। भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने इस मेले को सफल बनाने की तैयारी तेज कर दिया है। शिवा कालोनी स्थित शिविर कार्यालय पर एक तैयारी बैठक पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें पदाधिकारियों में दायित्वों का वितरण किया गया। अनूप चौधरी ने बताया कि किसान मेले में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलराम सिंह लम्बरदार, प्रदेश अध्यक्ष पं. राजपाल शर्मा के साथ ही अनेक राष्ट्रीय और प्रान्तीय पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

भाकियू के प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल ने बताया कि किसान मेले में दिन में 11 बजे अतिथियों द्वारा शहीद किसानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण, शहीदों के आश्रितों और अतिथियों का सम्मान और इसके बाद कृषि उद्यान पर्यावरण गोष्ठी के बाद भाकियू के वरिष्ठ नेता पत्रकारों से वार्ता करेंगे। इसके बाद वक्ताओं का सम्बोधन शुरू होगा। बताया कि 10 दिसम्बर की शाम से ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आरम्भ हो जायेगा।

–तैयारियां तेज, बैठक में सौंपी गई जिम्मेदारी

ज्ञात रहे कि मुंडेरवा चीनी मिल बंद होने के विरोध में मुण्डेरवा में किसान आन्दोलन हुआ था जिसमें 11 दिसंबर 2002 को पुलिस और भाकियू कार्यकर्ताओं के बीच खूनी संघर्ष हुआ। पुलिस फायरिंग में मेंहडा पुरवा गांव के धर्मराज उर्फ जुगानी पुत्र राम शब्द, जगदीशपुर मंझरिया के बद्री चौधरी पुत्र गोजे तथा संतकबीर नगर जनपद के चंगेरा –मंगेरा निवासी तिलकराज चौधरी पुत्र राम लखन की गोली कांड में मौत हो गयी थी। इन शहीदों की स्मृति में प्रति वर्ष किसान मेले का आयोजन किया जाता है और देश के विभिन्न हिस्सों से किसान, मजदूर और विभिन्न संगठनों के लोग एकत्र होते हैं।

किसान मेले के तैयारी बैठक में मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र कुमार चौधरी, जिलाध्यक्ष गौरीशंकर, संतकबीर नगर जिलाध्यक्ष राम सागर, शोभाराम ठाकुर, डा. आर.पी. चौधरी, जयराम वर्मा, रामचन्दर, जगदीश प्रसाद, लक्ष्मण चौधरी, विनोद कुमार, ब्रम्हदेव, रामशब्द, आज्ञाराम, रामा यादव, राजेन्द्र चौधरी, रमेश, राममजन, राम कृपाल, शुभराम यादव, रामचन्दर सिंह, रामफेर के साथ ही बस्ती मण्डल के अनेक भाकियू पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जीएसटी बढ़ाने की तैयारी में है मोदी सरकार– राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार अमीरों को राहत दे रही है और गरीबों को लूटकर पूंजीपतियों का पोषण कर रही है। राहुल ने कहा, 'सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है, आपकी जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है।'

राहुल गांधी ने कहा, 'सरकार गरीबों को लूट रही है और पूंजीपतियों को सहूलियत दे रही है और उन्हें करों से राहत दे रही है। वस्तु एवं सेवा कर और अन्य कई तरह के कर लगाकर आम लोगों को महंगाई की आग में झोंककर उनका जीवन मुश्किल किया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जरा सोचिए – अभी शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई–पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपये से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने जा रही है। यह घोर अन्याय है।

क्षयरोग मरीजों के उपचार में योगदान के लिये डा. वी.के. वर्मा सम्मानित

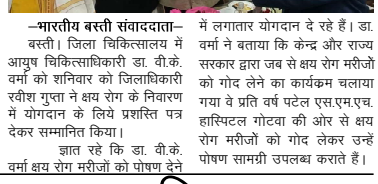

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला चिकित्सालय में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा को शनिवार को जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने क्षय रोग के निवारण में योगदान के लिये प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

ज्ञात रहे कि डा. वी.के. वर्मा क्षय रोग मरीजों को पोषण देने में लगातार योगदान दे रहे हैं। डा. वर्मा ने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा जब से क्षय रोग मरीजों को गोद लेने का कार्यक्रम चलाया गया वे प्रति वर्ष पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल गोटवा की ओर से क्षय रोग मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण सामग्री उपलब्ध कराते हैं।

100 दिवसीय टीबी सघन अभियान शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 100 दिवसीय टीबी सघन अभियान का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने विकास भवन परिसर से वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान 7 दिसम्बर 2024 से 18 मार्च 2025 तक चलाया जायेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, विधायक सदर महेन्द्र नाथ यादव, सांसद प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर, भानुप्रसाद मिश्रा, सीएमओ डा. आर. एस. दुबे, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय कुमार सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें। इस अवसर पर विकास भवन सभागार में जनप्रतिनिधि व अधिकारियों द्वारा निक्षय मित्रों, टीबी चैम्पियन को सम्मानित किया गया तथा लाभार्थियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने जिलाधिकारी का प्रशंसा करते हुए बताया कि इनकी एक खासियत है कि इनसे कोई भी व्यक्ति कभी भी मिल सकता है। उन्होने यह भी कहा कि जिलाधिकारी स्वयं टीबी अस्पताल में जाकर देखे और वहाँ की जो समस्या हो उसका समाधान करायें। जिलाध्यक्ष ने कहा कि दुनिया के लिए पैमाना बन रहा है कि हमारे देश के वैज्ञानिक तकनीक विकसित कर रहे हैं। कोरोना काल में दवा बनाने का भी काम किया है। टीबी अब गम्भीर बीमारी नही रह गयी है, जो कोई मरीज किसी वजह से अस्पताल नही पहुँच पा रहा है, उस मरीज को चिन्हित कर अस्पताल पहुँचाया जाय और इसके लिए इलाज में अहम भूमिका निभायें।

विधायक सदर ने कहा कि सरकार के इस कार्यक्रम में आप सभी लोग सहयोग करें। पहले जब किसी व्यक्ति को टीबी हो जाता था तो गाँव के लोक उसका बहिष्कार कर देते थें। सरकार की पहल की वजह से टीबी लाइलाज बीमारी नही रह गयी है। टीबी के मरीज को दवा का कोर्स पूर्णरूप से करना होगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व में टीबी लाइलाज बीमारी माना जाता था। 19वीं सदी में कहानी/फिल्म के माध्यम से भी आपलोगों ने देखा होगा, लेकिन अब टीबी के इलाज में काफी सुधार हुआ है। कई ग्राम पंचायत ने यह मानक पूर्ण कर। टीबी अब कामन बीमारी हो चुकी है। उन्होने कहा कि टीबी के मरीज यह विशेष ध्यान रखें कि इलाज का पूरा कोर्स पूर्णरूप से करें क्योंकि आधी–अधूरी दवा का सेवन करके बैक्टीरिया को मजबूत कर छोड़ देते है तो यह बीमारी गम्भीर हो जाती है। मरीज को अस्पताल में जाकर समस्त आवश्यक जाँच कराकर उपचार कराना चाहिए। उन्होने यह भी कहा कि जन–जन का रखें ध्यान, टीबी मुक्त भारत अभियान।

जिला क्षय रोग अधिकारी डा. ए.के. गुप्ता ने विस्तार से टीबी रोग के बारे में बताया। इस 100 दिन अभियान के दौरान गाँव–गाँव टारगेट कर फोकस किया जायेगा, शिविर लगाया जायेगा। उन्होने बताया कि टीबी के मरीज स्वास्थ्य शिविर में आकर एक्स–रे व ब्लगम की जाँच करायें। उन्होने बताया कि इलाज के दौरान टीबी मरीज को मिलने वाली धनराशि को 500 रूपये से बढ़ाकर 1000 रूपया कर दिया गया है।

निजीकरण को लेकर विद्युतकर्मी आन्दोलित यूपी में 6 महीने तक हड़ताल पर रोक

लखनऊ (आभा)। यूपी में छह महीने के लिए किसी भी प्रकार की हड़ताल पर पाबंदी लगा दी गई है। माना जा रहा है इसके पीछे बिजली विभाग की संभावित हड़ताल है।

प्रदेश सरकार ने अपने अधीन विभागों, निगमों और प्राधिकरणों में छह माह के लिए हड़ताल पर पाबंदी लगा दी है। इस संबंध में प्रमुख सचिव, कार्मिक, एम. देवराज की ओर से शुक्रवार को अधिसूचना जारी की गई। माना जा रहा है कि यह प्रतिबंध निजीकरण के खिलाफ बिजली विभाग के कार्मिकों की संभावित हड़ताल को देखते हुए लगाया गया है।

जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम, 1966 के तहत अगले छह माह तक हड़ताल निषिद्ध रहेगी। उत्तर प्रदेश राज्य के कार्यकलापों के संबंध में किसी लोकसेवा और राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण वाले निगमों व स्थानीय प्राधिकरणों में यह प्रतिबंध लागू होगा।

पूर्वांचल और दक्षिणांचल को निजी हाथों में देने को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। कर्मचारी संगठनों ने आंदोलन का एलान कर दिया है। उनका साफ कहना है कि प्राइवेट पब्लिक पार्टनशिप (पीपीपी) मॉडल के दूरगामी परिणाम कार्मिकों ही नहीं प्रदेश की आर्थिक सेहत के लिए भी हानिकारक होंगे। दूसरी तरफ कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने हड़ताल पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

पूर्वांचल और दक्षिणांचल को निजी हाथों में देने के मसले पर विभिन्न श्रम संघ एक मंच पर आ गए हैं। विरोध में निजीकरण का हर हाल में विरोध करने का फैसला लिया गया।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों के श्रम संघों के शीर्ष पदाधिकारियों ने मांग की है कि जनहित और बिजली कार्मिकों के हित में निजीकरण का फैसला वापस लिया जाए। यह भी संकल्प लिया गया कि निजीकरण के विरोध में होने वाले आंदोलन का समर्थन करेंगे। संयुक्त बैठक की अध्यक्षता जेएन तिवारी ने की। इस दौरान केएमएस मगन, विजय विद्रोही, चन्द्रशेखर, कमल अग्रवाल, प्रेमनाथ राय, अफीफ सिद्दीकी, नरेंद्र प्रताप सिंह, विजय कुमार बन्धु, प्रेमचंद्र आदि मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह गुरु गोरखनाथ के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने प्रयागराज में महासंघ के प्रांतीय अधिवेशन से लौटने के बाद यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अधिवेशन में भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने, गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिये जाने और गीता को राष्ट्रीय ग्रन्थ घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। इस संकल्प को पूरा करने की दिशा में महासंघ निरन्तर चरणबद्ध ढंग से अपना अभियान जारी रखेगा।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि अधिवेशन में काशी, मथुरा, संभल के मामले प्रमुखता से उठाये गये और काशी स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर, मथुरा में श्री कृष्ण मंदिर को अतिक्रमण से मुक्त कराने की दिशा में सरकार से पहल का आग्रह किया गया। बताया कि अधिवेशन में बस्ती के कार्यवृत्ति को प्रदेश में पहला स्थान मिला। इस योगदान के लिये अमिताभ अग्निहोत्री, प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति, दिग्विजय सिंह राना ने अखिलेश सिंह को गुरु गोरखनाथ के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया। पूरे प्रदेश में दुबौलिया ब्लाक श्रेष्ठ रहा। विजय शंकर शुक्ला, राजकुमार मंटू चौधरी, विपिन सिंह, सतीश पाण्डेय 'पप्पू', बालकृष्ण सिंह को योगी आदित्यनाथ हिंदू रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

अधिवेशन में बस्ती से महासंघ के प्रदेश मंत्री दिग्विजय सिंह राणा, जिला संत प्रमुख धर्माचार्य प्रकोष्ठ बाबा जय प्रकाश दास, श्रीमती पूनम सिंह जिला अध्यक्ष मातृ शक्ति, जिला संयोजक मातृ शक्ति अमृता सिंह, अंकिता सिंह, संजू सिंह, अनसुईया पाण्डेय, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री चंद्रशेखर कमलापुरी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष, ओम सिंह, विजय, राजेश मद्धेशिया, राघवेन्द्र विश्वकर्मा आदि ने हिस्सा लिया।

सफलता की कुंजी अभियान :शिक्षकों की कड़ी मेहनत से सफलता हासिल कर रहे छात्र– अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सफलता की कुंजी अभियान के अंतर्गत शनिवार को बाल्मीकि इंटर कॉलेज विक्रमजोत के परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य घनश्याम लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। बच्चों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है कि बच्चे सफलता हासिल कर रहे हैं। हमारे शिक्षक बच्चों को किताबी ज्ञान के अलावा हर स्तर से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास कर रहे हैं जिससे हमारे बच्चे सफलता के शिखर छू रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य के नेतृत्व में शिक्षकों द्वारा बच्चों को विभिन्न तरीके के सफलता के टिप्स दिए गए।

इस अवसर पर अखिलेश सिंह, वी पी सिंह जग्गू, लवकुश वर्मा, भरत सिंह, दीपक कुमार, रामपाल यादव, प्रदीप कुमार तिवारी, पंकज सिंह, ज्ञानेंद्र प्रकाश शुक्ला, राजीव कुमार, शिव शंकर, दीपक, प्रदीप नारायण तिवारी, विजय बहादुर सिंह, जयप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

बाबा साहब के सपनों को पूरा करने के लिये निकाली प्रभातफेरी, दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत रत्न बाबा साहब के परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यकर्ता का सिलसिला दूसरे दिन भी जारी रहा। भीम पाठशाला समिति अध्यक्ष राम शंकर आजाद और कोषाध्यक्ष मूलचंद आजाद के संयोजन में साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के नरियांव अम्बेडकर पार्क से खझौला सोनहटी, पटखौली, रमवापुर, पकरी नासिर, मुजहना, जमोहे, देवरिया माफी, कुर्थियां होते हुये प्रभात फेरी दसौती पहुंची। बाबा साहब अमर रहे का नारा लगाते हुये बड़ी संख्या में लोग दसौती में एकत्र हुये जहां संक्षिप्त सभा कर बाबा साहब के योगदान पर चर्चा कर उन्हें नमन किया गया।

राम शंकर आजाद ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब ने देश के गरीब, दलित वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के लिये अनवरत संघर्ष किया। मूलचंद आजाद ने कहा कि बाबा साहब के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिये हमें अपनी एकजुटता बनाये रखनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आकाश आर्य, दीपक, प्रवीन कुमार राना, अरून राज भारती, प्रिंस, संजय, अनिल, विशाल, सुखई, हरिश्चन्द्र, मुकेश गौतम, अर्जुन प्रधान, रामदीन, अरविन्द कुमार, आदित्य, संदीप, हरिशंकर, राकेश, प्रहलाद, जगराम, दिनेश कुमार के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलायें उपस्थित रही।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 दिसम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

खनन माफिया और पहाड़

उस खबर ने हर संवेदनशील और जागरूक व्यक्ति को उद्वेलित किया है कि हरियाणा के नूंह के पास 22 अरब रुपये कीमत के पहाड़ को खनन माफिया चट कर गया। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला घटनाक्रम नूंह जिले में राजस्थान सीमा पर स्थित पहाड़ से जुड़ा है, जो अरावली पर्वतमाला का हिस्सा है। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम तंत्र की काहिली व सत्ताधीशों की गैरजिम्मेदारी से पनपा है। खनन विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उपमंडल फिरोजपुर झिरका के कुछ इलाकों में खनन माफिया ने इस कृत्य को अंजाम दिया। कैसी विडंबना है कि गैर कानूनी तरीके से धन अर्जित करने की दबंगों की लिप्सा हमारे पर्यावरण व लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करती। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम यह भी है कि अवैध खनन माफिया से टक्कर लेने वाले कई अधिकारियों को तबादले के रूप में खमियाजा भी भुगतना पड़ा है। नागरिक संगठनों की उदासीनता भी उन खनन माफियाओं का हौसला बढ़ाती है, जो सत्ता के गलियारों में खासा रसूख रखते हैं। निश्चित रूप से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने वाली इन पहाड़ियों को आज पुनर्जीवित करने की जरूरत है। पर्यावरण पुनर्स्थापना हेतु भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण से निबटने के लिये बाकायदा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में ग्यारह लाख मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए, इस चौदह सौ किलोमीटर लंबे और पांच किलोमीटर चौड़े हरित गलियारे को बनाने का लक्ष्य है कि अरावली पहाड़ियों की पारिस्थितिकीय जीवन शक्ति को फिर से बहाल किया जा सके। एक समय था कि ये पहाड़ियां जंगल, वन्य जीवों, जलचरों और प्राकृतिक जल निकासी के जरिये एक समृद्ध पारिस्थितिकीय तंत्र बनाती थी। लेकिन दुर्भाग्य से अब अरावली पर्वत शृंखला देश की सबसे खराब स्थितियों के लिये जानी जाती है। इस दिशा में सत्ताधीशों की उदासीनता और नियामक संस्थाओं की लापरवाही से हरियाणा में यह स्थिति खासी शोचनीय है।

यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि अरावली पर्वत शृंखला की तीस से अधिक पहाड़ियां पहले ही लुप्तप्राय हो चुकी हैं। खासकर हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जिलों से लगते इलाकों में। निरंतर होते शहरों के विस्तार ने हरे–भरे परिदृश्यों को कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया है। जिसके चलते पूरे इलाके का पारिस्थितिकीय संतुलन बाधित हुआ है। सदियों में विकसित हुई वन संपदा व जीव—जंतुओं के अधिवास अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। निस्संदेह, इस कथित विकास की कीमत हमें लंबे समय तक चुकानी होगी। जिसके अंतर्गत स्वदेशी वृक्षों की अनेक महत्वपूर्ण किस्में व दुर्लभ वन्य जीवों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर जा पहुंची हैं। साथ ही अनेक महत्वपूर्ण भूजल पुनर्भरण क्षेत्र सूख गए हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब की हरित पहल से प्रेरित होकर ही ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट को इस विनाशकारी अतिक्रमण को रोकने के लिये लाया गया था। स्वदेशी वन संपदा को सामुदायिक जुड़ाव के जरिये संरक्षित करने की योजना थी। इसके अंतर्गत 35000 हेक्टेयर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना भी मकसद था। निस्संदेह, इस पर्यावरणीय संकट से निबटने के लिये पर्वत शृंखला के निकटवर्ती राज्यों में सहयोगात्मक प्रयास जरूरी हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक भी वनीकरण, जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण जैसी पहलों के लिये वित्त पोषण करके अरावली परियोजना को संबल दे रहा है। लेकिन यह भी हकीकत है कि इस परियोजना की सफलता इस बात पर निर्भर कती है कि हम अवैध खनन और अतिक्रमण रोकने के लिये संरक्षण कानूनों को कितनी सख्ती से लागू करते हैं। जिसमें भूमि संरक्षण अधिनियम जैसे कानूनी सुरक्षा उपायों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण होगा। साथ ही सदियों में विकसित हुए पारिस्थितिकीय खजाने की रक्षा के लिये विभिन्न राजनीतिक दलों को तमाम मतभेदों व कृत्रिम विभाजन को दरकिनार करके आगे आना होगा। निस्संदेह, ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट दशकों से प्राकृतिक संसाधनों की लूट से हुए विनाश की क्षतिपूर्ति की दिशा में एक सार्थक कदम है। जिसमें सरकारी, निजी स्तर और सामुदायिक भागीदारी से इन प्राचीन पहाड़ियों को पुनर्जीवित करने की आशा जगती है।

मणिपुर हिंसा और सरकार की चुप्पी

—ऋतुपर्ण दवे—

मणिपुर में रह–रह कर कुछ अंतराल के बाद हो रही बर्बर हिंसा शर्मसार कर देती है। बीते बरस 3 मई से शुरु हुई इस हिंसा को रोकने में नाकामयाबी पर भले ही जो राजनीतिक बयानबाजी हो लेकिन मणिपुर में मचे हैवानियत के नंगे नाच से दुनिया भर में कहे–अनकहे जो भी संदेश जा रहा है वह ठीक नहीं है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जारी स्थानीय जातीय हिंसा में अब तक 258 लोगों ने जान गंवा दी। उससे भी ज्यादा दुखद यह कि कई घटनाओं ने देश–दुनिया को शर्मसार किया। जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा क्षेत्र से 3 महिलाओं और 3 बच्चों का 11 नवंबर को अपहरण हुआ।

15 से 18 नवंबर के बीच उनके शव जिरी नदी और असम के कछार में बराक नदी में मिले। इस दौरान अपहृतों के साथ हैवानियत की ऐसी हदें पार की गईं कि पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टर भी सिहर गए। बच्चे के चेहरे पर गोलियां मारीं फिर भी जी नहीं भरा तो पूरे शरीर पर हमला किया। बच्चे की आंखें तक निकाल लीं। छाती पर काटने के निशान मिले। पसलियां टूटी हुई थीं। बाकियों का भी कमोबेश यही हाल रहा। गोलियों से दिल, फेफड़े और पसलियां कट गईं। पेट फट गए। बाहें चीथड़ों में बदल गईं। खोपड़ी को वजन से कुचला गया। हड्डियां चूर–चूर की गईं और मस्तिष्क को क्षत–विक्षत। इसे पुलिस स्टेशन और विधायकों के आवासों पर बड़ा हमला माना गया।

भुक्तभोगियों की आपबीती सुनने पर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। लोग खेतों या सुनसान इलाकों में छिपकर जान बचाते रहे तो हमलावर गाडियों में भर–भरकर आते और अंधाधुंध गोलियां बरसा कर जो भी मिलता है मारते, बर्बरता करते और अपहरण कर साथ ले जाते। यह उस मणिपुर की मौजूदा हकीकत है जहां मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग पर 3 मई से जारी डक्षहसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

मणिपुर की लड़ाई जातिगत है जो जनसंख्या आधारित वर्चस्व की भी है। मौजूदा विधानसभा में 60 में 40 विधायक मैतेई समुदाय से हैं और 20 विधायक नागा–कुकी जनजाति से। राजनीतिक लाभ–हानि और प्रभुत्व की लड़ाई में कौन भारी दिखे असल लड़ाई यही है। नागा–कुकी दोनों जनजाति मैतेई समुदाय को आरक्षण देने के विरोधी हैं। इनका तर्क है कि पहले ही 60 में से 40 विधानसभा सीटें मैतेई बहुल इंफाल घाटी में हैं। ऐसे में अनुसूचित जनजाति वर्ग में मैतेई को आरक्षण मिलने से उनके अधिकार भी बंट जाएंगे।

मैतेई समुदाय की धारणा है कि जब वह बहुसंख्यक हैं तो क्षेत्रीय अखंडता से कैसे समझौता कर लें? वह सोचते हैं कि अपने लिए अगर अलग प्रशासन और व्यवस्थाओं की नीयत रखते हैं तो बुरा क्या है? वहीं कुकी समुदाय भी राजनीतिक प्रभुत्व के वशीभूत होकर मनमाफिक प्रशासन चाहते हैं। मणिपुर की जनसंख्या लगभग 38 लाख है। प्रमुख रूप से तीन समुदाय हैं। मैतेई, नागा और कुकी। मणिपुर में ज्यादातर मैतई हिंदू हैं जिनकी जनसंख्या लगभग 52 से 64.6 प्रतिशत के बीच है। नागा–कुकी ज्यादातर ईसाई धर्म को मानते हैं और अनुसूचित जनजाति वर्ग में आते हैं। इनकी जनसंख्या लगभग 34 प्रतिशत है।

लगभग 10 प्रतिशत इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई बहुल तो नागा–कुकी जनसंख्या राज्य के करीब 90 प्रतिशत इलाके में है। हकीकत में आंकड़ों में दिख रही वर्चस्व की यही लड़ाई यहां गुटीय होकर आपसी हिंसा में तबदील हो गई है। उदाहरण हैं कि केन्द्र ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर हर कहीं विद्रोह, विद्रोहियों, नक्सलवाद, आतंकवाद की कमर तोड़ी है। चाहे पंजाब, जम्मू–कश्मीर का आतंकवाद हो या बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, दक्षिण भारत सहित पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों का नक्सलवाद जिसने ऐसी जड़ें जमाई थीं कि तमाम राज्य सरकारों की नाक में दम कर रखा था।

हां, मणिपुर हिंसा की तुलना नक्सलवाद, अर्बन नक्सलवाद या उग्रवाद से करना बेमानी होगी। सच्चाई स्वीकारनी होगी कि इसे समझने में या तो देरी हुई या समझ कर भी अनजान रहे? भले ही कहें कि मणिपुर की समस्याएं विरासत में मिली हैं लेकिन हैं तो नासूर। कम से कम पूरे देश में अपना परचम फहराने की मंशा रखने और लगभग कामयाबी हासिल करने वाले दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा को जरूर सोचना होगा कि डबल इंजन की ताकत और 60 में से 37 विधायक होने के बावजूद मणिपुर क्यों सुलग रहा है?

जीवन और मृत्यु को नियंत्रित करने की कोशिशें

—पूरन चंद सरीन—

पिछले दिनों अमरीका के एक अरबपति ब्रायन जॉनसन के भारत आने की चर्चा थी। उसका आना कोई विशेष घटना नहीं थी बल्कि यह था कि यह अपने को 18 वर्ष की आयु का ही रखना चाहता है चाहे उसकी वास्तविक उम्र कितनी भी हो। अभी वह 60–70 के आसपास होगा। अब क्योंकि वह बहुत अमीर है तो सभी तरह के साधन उसके पास हैं। वह चिरयुवा बने रहने के लिए लगभग 20 करोड़ रुपए हर साल खर्च करता है। खाना–पीना सब कुछ एकदम नियंत्रित, नापतोल और कब क्या लेना है उसका पूरा चार्ट, पालन करने को कर्मचारियों की फौज। सुबह 11 बजे दिन का अंतिम भोजन, उसके बाद 100 के आसपास गोलियां खाना। नियत समय पर नियंत्रित वातावरण में जिसमें रोशनी से लेकर बिस्तर तक का आकार और उसकी बनावट शामिल है, नपी तुली नींद, जो आती है या नहीं, वही जाने क्योंकि वह अकेला सोता है।

चिरंजीवी व्यक्ति – हिंदू शास्त्रों के अनुसार चिरंजीवी या अमर अर्थात् जिनकी न मृत्यु हुई और न होगी, उनमें रामभक्त हनुमान, परशुराम, अश्वत्थामा, विभीषण, ऋषि व्यास, दैत्य राज बाली, गुरु कृपाचार्य, ऋषि मार्कण्डेय हैं। कहते हैं कि ये सभी पृथ्वी पर कहीं न कहीं वास कर रहे हैं। अनेक कथाएं इनके देखे जाने की भी सुनने को मिलती हैं जो एक प्रकार से किंवदंतियां हैं जिनका कोई प्रमाण नहीं मिलता। सबसे अधिक हनुमान जी के देखे जाने की कथाएं हैं।बजरंगबली के भक्त सबसे अधिक होंगे और उनमें से प्रत्येक उनके प्रकट होने या साक्षात दर्शन देने के अनुभव सुना सकता है। होता यह है कि हर कोई अपने आराध्य की छवि मन में गढ़ लेता है, किसी भी मुसीबत के समय उसका स्मरण करता है।

चिरंजीवी व्यक्ति – हिंदू शास्त्रों के अनुसार चिरंजीवी या अमर अर्थात् जिनकी न मृत्यु हुई और न होगी, उनमें रामभक्त हनुमान, परशुराम, अश्वत्थामा, विभीषण, ऋषि व्यास, दैत्य राज बाली, गुरु कृपाचार्य, ऋषि मार्कण्डेय हैं। कहते हैं कि ये सभी पृथ्वी पर कहीं न कहीं वास कर रहे हैं। अनेक कथाएं इनके देखे जाने की भी सुनने को मिलती हैं जो एक प्रकार से किंवदंतियां हैं जिनका कोई प्रमाण नहीं मिलता। सबसे अधिक हनुमान जी के देखे जाने की कथाएं हैं।

बजरंगबली के भक्त सबसे अधिक होंगे और उनमें से प्रत्येक उनके प्रकट होने या साक्षात दर्शन देने के अनुभव सुना सकता है। होता यह है कि हर कोई अपने आराध्य की छवि मन में गढ़ लेता है, किसी भी मुसीबत के समय उसका स्मरण करता है। परेशानी से बाहर निकल गया तब उनकी कृपा और नहीं निकल पाया और फंस गया तब भाग्य का दोष। जो धैर्य से सोच–विचार कर अपनी भूल या गलती ढूंढने का प्रयास करता है वह निश्चित रूप से किसी भी संकट से जूझते हुए बाहर निकल ही आता है।

बुढ़ापे के बदले जवानी – चलिए एक पौराणिक कथा का आनंद लेते हैं जिसका वर्णन हमारे अनेक ग्रंथों में हुआ है। छरू इंद्रियों की भांति राजा नहुष के 6 पुत्र, यति, ययाति, संयाति, आयति, वियति और कृति। नहुष बड़े पुत्र यति को राज्य देना चाहते थे लेकिन उसने स्वीकार नहीं किया क्योंकि उसका कहना था कि राज्य ऐसी वस्तु है जिसमें अपने आत्मस्वरूप को नहीं समझा जा सकता अर्थात् राजकाज में बहुत दांव–पेच होते हैं। अब हुआ यह कि नहुष ने इंद्र की पत्नी शची से बलात्कार करने की चेष्टा की तो ब्राह्मण वर्ग ने उसे इन्द्रपद से हटाकर श्राप दिया कि वह अजगर बन जाए। उसके बाद ययाति राजा बना। उसने अपने चारों भाइयों को चार दिशाओं में नियुक्त कर दिया और शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी से विवाह कर लिया।

इसी के साथ उसने दैत्यराज वृष पर्वा की पुत्री शर्मिष्ठा से अवैध संबंध बना लिए और फिर उसे भी पत्नी बना लिया। यह कैसे हुआ इसकी भी कथा है। हुआ यह था कि देवयानी और शर्मिष्ठा अपनी सखियों के साथ वस्त्र उतारकर सरोवर में जलक्रीड़ा कर रही थीं कि शंकर पार्वती वहां आ गए, उन्हें देखकर सब घबरा गईं और गलती से शर्मिष्ठा ने देवयानी के वस्त्र पहन लिए। दोनों में कलह हो गई और शर्मिष्ठा ने देवयानी के कपड़े छीनकर उसे कुएं में धकेल दिया और घर चली गई।

ययाति शिकार खेलते हुए वहां पहुंचे और पानी पीने के लिए कुएं के पास आए तो वहां देवयानी को नग्न अवस्था में देखा। अपना दुपट्टा फैंक कर हाथ पकड़कर बाहर निकाला। दोनों में प्रेम हो गया। देवयानी अपने पिता के पास गई और शर्मिष्ठा के बारे में बताया। पिता से वचन लिया कि जिस के साथ उसका विवाह होगा, शर्मिष्ठा दासी बनकर जाएगी। अब जब ययाति से देवयानी का विवाह हो गया तो शर्मिष्ठा भी दासी के रूप में मिली। ययाति की कामुकता जाग उठी और उसने दासी शर्मिष्ठा से संबंध बना लिए। दोनों गर्भवती हो गईं। देवयानी को पता चला तो वह क्रोध में घर छोड़कर पिता के पास चली गई। ययाति पीछे से वहां पहुंचे तो शुक्राचार्य ने उसे लंपट, व्यभिचारी कहकर तुरंत बूढ़े होने का श्राप दे दिया।

ययाति ने कहा कि अभी वासना मिटी नहीं है और अब वह अपनी पत्नी से भी संबंध नहीं बना सकेगा। यह देखकर शुक्राचार्य ने कहा कि जो तुझे अपनी जवानी दे उससे अपना बुढ़ापा बदल सकता है। ययाति ने अपने बड़े पुत्रों से एक–एक करके पूछा और कहा कि वे अपने नाना के श्राप के कारण उसके बुढ़ापे से अपनी जवानी बदल लें। कोई राजी नहीं हुआ पर सबसे छोटा पुत्र पुरु जो सबसे अधिक गुणी था, उसने पिता की आज्ञा मानकर अपने यौवन का बलिदान कर बुढ़ापा स्वीकार कर लिया।

कहते हैं कि ययाति ने हजार वर्ष तक विषय भोग में लिप्त रहकर चक्रवर्ती सम्राट के रूप में राज किया। एक दिन उसे वैराग्य हुआ। इस क्रम में उसका बुढ़ापा झेल रहे पुत्र पुरु को उसकी जवानी लौटा दी और उसे राजा बनाकर अपनी दोनों पत्नियों के साथ वन चले गए। वहां शरीर नष्ट होने दिया और मानव शरीर से मुक्ति पाई। यह शृंखला पुरु के वंशजों, राजा दुष्यंत और राजा भरत तक जाती है जिनके नाम पर हमारा देश भारत वर्ष कहलाता है।

आधुनिकता और विज्ञान – आज का युग वैज्ञानिक सोच का है। विज्ञान ने ऐसी चीजों को सिद्ध किया है और कल्पना करते ही सामने प्रस्तुत भी किया है जिनके सामने बुद्धि चकरघिन्नी बन जाए। लेकिन आजतक कोई भी किसी की आयु की गणना नहीं कर पाया है।

कर्म के साथ धर्म की आस्था के सन्मार्ग

—संजीव ठाकुर—

जीवन में उतार–चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग–अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है।मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए।

मनुष्य के जीवन में सदैव कर्म और धर्म का समुचित संतुलन होना चाहिए। कर्म मनुष्य के जीवन को सफलता दिलाने वाला तत्व होता है साथ ही धर्म मनुष्य को मानवता के प्रति संवेदनशील सनमार्गी बनाता है। मनुष्य को धर्म के साथ ही कर्म की वेदी पर अपने श्रम की की आहुति देनी चाहिए, जिससे मानवीय जीवन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म,धर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा सइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगीस

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती हैस

जीवन में उतार–चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग–अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है।

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है ।इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

नेहाल सिंह हत्याकांड में शामिल एक बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

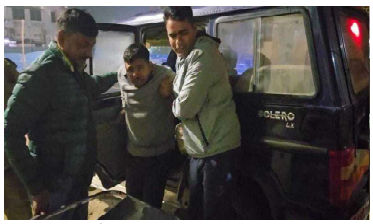

संवाददाता—देवरिया। पुलिस ने शनिवार की भोर में नेहाल सिंह हत्याकांड के में शामिल बदमाश दीपक मिश्र को मुठभेड़ में दबोच लिया। बदमाश को पैर में गोली लगी है। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इस घटना में शामिल तीन शूटर समेत 5 बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज चुकी है। देवरिया जिले के सुरौली थाना क्षेत्र में जद्दू परसिया के पास मुख्य मार्ग पर 7 नवंबर को शुभम सिंह उर्फ नेहाल सिंह पुत्र विश्वजीत सिंह निवासी—समोगर थाना मदनपुर देवरिया की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। मामले में सुरौली थाने में मृतक की माँ गायत्री देवी की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं घटना के अनावरण हेतु पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया था।

पुलिस टीम द्वारा पूर्व में पुलिस मुठभेड़ में कुल 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले में वांछित दीपक मिश्रा पुत्र मन्टू उर्फ ध्रुवनारायण मिश्रा निवासी—रामनाथ देवरिया थाना कोतवाली फरार चल रहा था। शनिवार को भोर में करीब 3 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वह थाना सुरौली थाना क्षेत्र के विशुनपुर मोड़ तिराहे के पास मौजूद है। पुलिस ने पहुंचकर घेराबंदी की तो फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में उसे पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पैर में गोली लगी है। उसका महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। उसके पास से अवैध असलहा बरामद हुआ है। पुलिस टीम द्वारा उससे पूछ—ताछ की जा रही है।

इस घटना में पूर्व में 12 और 22 नवंबर को मुठभेड़ हुई थी। 12 नवंबर की रात सुरौली थाना क्षेत्र के कोइलगढ़हा ठाकुर देवा पुल के पास पुलिस मुठभेड़ में आलोक कुमार राजभर पुत्र रामकिशुन राजभर निवासी नई खास थाना सुरौली जनपद देवरिया, बृजेश गोस्वामी पुत्र विरेन्द्र गोस्वामी निवासी—बेलाडाड़ थाना गगहा जनपद गोरखपुर और अमन गिरी पुत्र राजेश गिरी निवासी—कहला थाना गगहा जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार कर लिया था। तीनों बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगी थी। दबोचे गए बदमाशों के पास से 1 पिस्टल, दो तमंचा और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई थी।

22 नवंबर की भोर में पुलिस ने मुखबीर से सूचना पर सुरौली थाना क्षेत्र के मरवटिया हाइडिल के पास से भोर में करीब पौने चार बजे मुठभेड़ में अनुराग गुप्ता पुत्र विनोद गुप्ता उर्फ डब्बा एवं आशीष पाण्डेय पुत्र स्व. सत्या पाण्डेय निवासीगण—वार्ड नं. 28 रामनाथ देवरिया थाना कोतवाली थाना सदर कोतवाली को गिरफ्तार कर लिया था। इन दोनों के पैर में भी गोली लगी थी। पुलिस ने आशीष पाण्डेय के पास से 1 पिस्टल एवं अनुराग गुप्ता के पास से 1 देशी तमंचा एवं मोटरसाइकिल बरामद किया था।

मदनपुर थाना क्षेत्र के समोगर निवासी विश्वजीत उर्फ राजू सिंह का शहर के मुंसफ कॉलोनी में मकान है। उनका बेटा नेहाल सिंह 7 नवंबर को बुलेट से अपने गांव मदनपुर थाना के समोगर से देवरिया आ रहा था। देवरिया—पकड़ी बरांव मार्ग पर जद्दू परसिया पेट्रोल पंप के पास करीब 11 बजे एक ही बाइक पर सवार बदमाशों ने उसे गोली मार दी। उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों मृत घोषित कर दिया था। 8 नवंबर को पोस्टमार्टम के समय आक्रोशित परिजनों ने सिविल लाइन रोड पर कचहरी शिव मंदिर के पास देवरिया—गोरखपुर मार्ग पर आवागमन ठप कर प्रशासन को तीन युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। एसपी संकल्प शर्मा ने इस हत्याकांड का खुलासा करने व हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने को एसओजी समेत चार टीमें लगायी। पुलिस टीम हत्यारों तक पहुंचने में लगातार छापेमारी शुरू कर दी, लेकिन हत्यारोपियों और उनके परिजनों के फरार होने से उन्हे काफी मुश्किलें आने लगी। इस बीच हत्या में शामिल बाइक सवार तीन युवकों का सीसीटीवी फुटेज मिलने से पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले। जिसके बाद पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई। मामले में बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी हो चुकी है।

एएसपी, दक्षिणी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि सुरौली थाना क्षेत्र में विगत सात नवंबर को एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। जिसके संबंध में अभियोग पंजीकृत कर पूर्व में पांच अभियुक्तों की गिरफ्तारी गई थी। मुखबीर की सूचना पर शनिवार की भोर में एक और अभियुक्त दीपक मिश्र को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पैर में गोली लगी है। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है और स्थिति सामान्य है। उसके पास से अवैध शस्त्र भी बरामद हुआ है।

सड़क हादसों में महिला की मौत, दो घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। दो अलग अलग सड़क हादसों में एक महिला की मौत हो गई। वहीं दो युवक गंभीररूप से घायल हो गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इकौना थाना क्षेत्र के इकौना देहात स्थित नत्थापुरवा निवासी राम कुमारी (40) पत्नी राम अक्षयबर शुक्रवार को दिन में अपनी बेटी के घर मुंडन संस्कार में शामिल होने इसी थाना क्षेत्र के मोहनीपुर गई थी। देर रात महिला अपने दामाद के साथ बाइक से वापस घर लौट रही थी। इस दौरान नेशनल हाइवे 730 पर जगतजीत इंटर कालेज इकौना के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक पर पीछे बैठी राम कुमारी गिर गई और ट्रक के नीचे आ गई। रौंदते हुए ट्रक का पहिया महिला के ऊपर से गुजर गया। इससे महिला का शव कई टुकड़ों में बंट कर सड़क पर बिखर गया। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को देने के साथ ही ट्रक का पीछा किया और ट्रक को आगे जाकर पकड़ लिया। लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंचे पुलिस टीम के साथ थाना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार दूबे ने सड़क पर क्षत विक्षत पड़े शव को एकत्र कर सील कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं ट्रक को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करा दिया। बताया जाता ही कि ट्रक मुरादाबाद से फार्चून तेल व अन्य खाद्य सामग्री लादकर शिलिगुड़ी जा रहा था। वहीं हरदत्तनगर गिरंट के बहोरवा निवासी विनय प्रताप (22) पुत्र उदय नारायण वर्मा व काशीराम (26) पुत्र राम नारायण मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान मल्हीपुर थाना क्षेत्र के गंगापुर के पास पहुंचते ही सड़क पर खड़े मवेशियों से टकरा गए। हादसे में दोनों गंभीररूप से घायल हो गए। लोगों की ओर से एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया।

दौड़ 100 मीटर में शनि, साक्षी व 200 में राज, रानी रहे अव्वल

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय हर्रैया के प्रांगण में चल रहे दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हर्रैया विधायक अजय सिंह का स्वागत प्रतियोगिता के आयोजक खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द और खेल प्रभारी सर्वदेव सिंह के नेतृत्व में एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, उदय प्रताप सिंह, उमेश सिंह, सुनील बौद्ध शिक्षक नेता बाबूलाल ओझा, रामसागर वर्मा, सन्तोष शुक्ल, राजकुमार तिवारी, रामप्यारे, प्रेम सागर, प्रमोद त्रिपाठी, विवेक कान्त पाण्डेय, सत्यराम वर्मा, अनिल सिंह सहित ब्लॉक के तमाम शिक्षकों ने माल्यार्पण करके, स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र देकर किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन उच्च प्राथमिक स्तर के खेल कराए गए। जिसमें कबड्डी बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय उमरिया गुप्तार विजेता और उच्च प्राथमिक विद्यालय खम्हरिया गंगाराम की टीम उपविजेता रही। 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में भैंसा चौबे के शनि तथा बालिका वर्ग में पिकौरा की साक्षी गुप्ता प्रथम रहीं। 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में जिवधरपुर के राज और बालिका वर्ग में कंपोजिट उमरिया की रानी अव्वल रहीं। मुख्य अतिथि ने विजेता टीमों और बच्चों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस उन्हें सही मंच की आवश्यकता है। इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्रामीण अंचल में लगातार होना चाहिए, ताकि यहां की छुपी हुई प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिल सके। प्रतियोगिता के मीडिया प्रभारी रवीश कुमार मिश्र ने बताया कि ब्लॉक स्तर की विजेता टीम और खिलाड़ी जनपद स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। खेल प्रतियोगिता में अनुदेशक पवन मिश्र, दीपक सिंह, उत्तम वर्मा, जीतेन्द्र, राजकुमार, कपिलदेव, संजीव, बबली, प्रीती व कार्यालय के राकेश श्रीवास्तव, सुनील, ऋषि, राजेश, दिवाकर, जमुना, राकेश, रवि ने सहयोग किया। संचालन धनीष त्रिपाठी ने किया।

-ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं - अजय सिंह

इस अवसर पर कुलदीप सिंह, अखिलेश सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह, नरेन्द्र पाण्डेय, शैलेश सिंह, संजीव सिंह, श्रवण कुमार, इश्तियाक अहमद, अरुण शुक्ल, विद्यासागर वर्मा, राजीव शरण, जगदम्बा दूबे, शिव प्रकाश पाण्डेय, राजेंद्र, देवेन्द्र शुक्ल, आनन्द सिंह, रामसागर, अखिलेश सिंह, चिन्मय राय, राकेश सिंह, सतीश यादव, गुलाम अशरफ, अमरचंद, हरी सिंह, प्रमोद ओझा, आशीष सिंह, हरी जी, अशोक वर्मा, विश्वजीत, आदित्य सिंह, चंद्रमौलि पाण्डेय, प्रदीप मालिक, हनुमान वर्मा, चंद्रिका प्रसाद, शोभाराम, सुनील शुक्ल, सुभाष वर्मा, बृजेश ओझा, जसवंत, विजय चौधरी, उमेश राव, काशीराम, डा. श्री नरायन मिश्र, सर्वेश वर्मा, प्रेम कुमार, रामजी, राम भवन, जीतेंद्र नाथ वरुण, निरुपमा, प्रियंका, मीरा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

खेत बेचना पत्नी का लगा नागवार, धारदार हथियार से कर दी पति की निर्मम हत्या

संवाददाता—देवरिया। गिरफ्तार आरोपी पत्नी ने बताया कि मृतक पति हमें कई वर्षो से मारता पीटता रहता था और खेत बेच कर शराब पी जाता था। हमारे और बच्चों पर कोई ध्यान नहीं देता था इसलिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। मृतक का एक बेटा प्रिंस उर्फ छोटू (10) प्राथमिक विद्यालय तिलई बेलवा,देवरिया में पांचवी का छात्र है। विस्तार

कोतवाली क्षेत्र के बरवा गोरस्थान में शनिवार की सुबह आपसी विवाद के चलते पत्नी ने धारदार हथियार से पति की निर्मम हत्या कर दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के बरवा गोरस्थान निवासी ममता देवी ने आपसी विवाद के चलते अपने ही पति विजय प्रताप यादव उर्फ गोपी 42वर्ष की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी।

मृतक के भाई चंद्रभान की पुत्री पूनम गोठे पर घर की सफाई करने पहुंची। दरवाजा खोलते ही चाचा की खून से लथपथ लाश देखते ही जोर जोर से चिल्लाने लगी। शोर सुनकर अगल बगल के लोग इकट्ठा हो गए। किसी ने पीआरबी 112 को फोन कर घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना की पूरी जानकारी शहर कोतवाल दिलीप कुमार सिंह और सीओ संजय कुमार रेड्डी ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

इसी बीच पुलिस आने की भनक पर मृतक की पत्नी आरोपी ममता देवी भागने लगी जिसको तत्काल महिला पुलिस ने दबोच लिया।आरोपी पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था जो घर गृहस्थी के लिए मजदूरी कर पालन पोषण करता था।

जबकि आरोपी पत्नी ने बताया कि हमें कई वर्षो से मारता पीटता रहता था और खेत बेच कर शराब पी जाता था। हमारे और बच्चों पर कोई ध्यान नहीं देता था इसलिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। मृतक का एक बेटा प्रिंस उर्फ छोटू 10वर्ष प्राथमिक विद्यालय तिलई बेलवा,देवरिया में पांचवी का छात्र है।

मृतक की पत्नी ममता देवी दो वर्षो से बरहज थाना के खोड़ा मायके में रहती थी ।कुछ ही दिन पूर्व ससुराल के पट्टीदारी में सम्मिलित होने आई थी। मृतक के तीन भाई गुजरात के एक निजी कंपनी में बीस वर्षो से कार्य करते हैं।।मृतक के पिता रामपति यादव का निधन दस वर्ष पहले हो चुका है। माता पार्वती देवी सहित परिवारीजनों का रो रो कर बुरा हाल है। शहर कोतवाल दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की माता पार्वती देवी के तहरीर पर मुकदमा दर्ज की कार्रवाई जारी

स्कूल वैन से टकराई बाइक, किशोर की मौत, भाई गंभीर रूप से घायल

संवाददाता—गोण्डा।गोंडा में स्कूल वैन से बाइक टकरा गई। हादसे में किशोर की मौत हो गई। जबकि भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। भाई की ससुराल से लौट रहे थे। शनिवार दोपहर हुए हादसे में किशोर की मौत हो गई। वहीं, मोटरसाइकिल चालक भाई को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान वैन लेकर आरोपी चालक वहां से भाग निकला। पुलिस ने किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथ ही मामले की छानबीन कर रही है। नवाबगंज के तुरकौली निवासी राम नारायण पासवान अपने छोटे भाई मोहन के साथ शुक्रवार सुबह मझले भाई राम केवल की ससुराल अयोध्या जिले के सोहावल रग्घूपुर गए थे। दोपहर करीब 2रू30 बजे नवाबगंज इलाके के ढेमवा मार्ग पर तुलसीपुर माझा पट्टी बलराज के पास मोटरसाइकिल से अयोध्या से घर वापस लौटते समय उनकी बाइक अज्ञात स्कूली वैन से टकरा गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे भाई मोहन उछलकर दूर गिरा। इस दौरान मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्कूल वैन लेकर चालक मौके से फरार हो गया। वहां मौजूद लोगों की सूचना पर आई पुलिस घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। जहां नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने मोहन (15) को मृत घोषित कर दिया। वह स्थानीय स्तर पर कक्षा सात का छात्र था। जबकि, मोटरसाइकिल चला रहे राम नारायण पासवान (18) की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखकर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह न स्थानीय निवासी मजदूर श्यामलाल के तीन बेटों में मोहन सबसे छोटा था। किसी की मोटरसाइकिल लेकर बड़े भाई के साथ गया। मगर हादसे में मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि दोनों भाई एक घंटे में वापस आने की बात कहकर निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूली वैन में बच्चे थे। गनीमत रही कि बच्चों चोटें नहीं आई है।

सहायक उपकरण वितरण किया गया

संवाददाता—गोण्डा। परिषदीय विद्यालयों में नामांकित 84 दिव्यांग छात्र छात्राओं को शनिवार को बीआरसी पर बीएसए अतुल तिवारी ने सहायक उपकरण वितरण किया गया। इस अवसर पर बीएसए ने कहा कि दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा सामान्य से अधिक होती है। बेहतर शिक्षा उचित मार्गदर्शन उन्हें सफलता की शीर्ष पर पहुंचा सकता है। अनेक क्षेत्रों में दिव्यांगों ने परचम लहराया है। जिला समन्वयक समेकित व समग्र शिक्षा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 21 सितंबर को 112 दिव्यांगों का चिन्हांकन किया गया था। जिसमें समग्र शिक्षा के 84 और पीएमश्री के 04 बच्चों को आवश्यकता अनुसार उपकरण वितरण किए गए । शिविर में 13 ट्राई साईकिल, 10 ह्वील चेयर, पांच सीपी चेयर, छह रोलेटर,एक ब्रेल किट, 20 बैसाखी, सात कैलीपर, 20 श्रवण यंत्र , 20 टीएलएम किट सुगम्य केन आदि सहायक उपकरणों का वितरण हुआ।प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी हर्षित पाण्डेय ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर माधव राज शुक्ला, अवनीश पाण्डेय, आनंद देव सिंह, मनोज शर्मा, राजन द्विवेदी आदि मौजूद रहे। इसके पहले बीएसए ने परिषदीय विद्यालय इमिलिया व ढोढ़ीयापारा का औचक निरीक्षण किया, जहां बच्चों की उपस्थिति कम मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने वजीरगंज के दयानंद वैदिक इंटर कालेज का भी निरीक्षण किया।

किसानों को मसूर बीज किट वितरित किया गया

संवाददाता—गोण्डा। विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार पर किसानों को निशुल्क किट वितरित किया गया। बीज वितरण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने किया। क्षेत्र में मसूर की खेती को बढ़ावा देने के लिए करीब 150 से अधिक किसानों को बीज किट का वितरण किया गया। विधायक ने कहा कि सरकार की मंशा है कि किसानों को उन्नतिशील बीज वितरित किया जाए ।जिससे फसलों की उपज बढ़े। किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हो सके। विधायक श्री वर्मा ने सरकार द्वारा चलाई जा रही है कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी। डीएओजी गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि किसानों को वैज्ञानिक ढंग से खेती करने के लिए जागरूक किया गया । आठ किलो बीज का किट दिया गया। एडीओएजी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान गौरव श्रीवास्तव ,गोदाम प्रभारी मनोज यादव, विक्रम पटेल ,राजन सिंह ,रोहित सिंह ,विश्वनाथ पाठक, इंद्र देव शुक्ला, राधेश्याम वर्मा, जगदीश प्रसाद दूबे, धरखन ,नंद किशोर, कुसमा, चंद्र शेखर शुक्ल, जग प्रसाद ,राम चंद्र वर्मा रहे।

बिजनेस लोन के नाम पर धोखाधड़ी करने के ममाले में तीन गिरफ्तार

संवाददाता—बलरामपुर। षड्यंत्र कर बिजनेस लोन की धनराशि पास कर आपस में बंदरबाट कर हड़पने के मामले में बैंक के शाखा प्रबंधक सहित दो सहयोगियों को थाना कोतवाली नगर की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तहरीर के आधार पर तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर में अभियोग पंजीकृत किया गया था। शाखा प्रबंधक सहित तीनों अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया है। अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव व सीओ बृजनंदन राय ने बताया कि बीते पांच दिसंबर को विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने तहरीर दिया था कि उसे लोन की आवश्यकता थी। मित्र मारूफ पुत्र हैदर ने नौ लाख 50 हजार रुपए इंडियन बैंक शाखा बलरामपुर में लोन के लिए आवेदन कराया था। कई दिन बीत जाने के बावजूद लोन की धनराशि उनके खाते में नहीं आई, लेकिन वादी के खाते से लोन की किस्त कटने लगी। दिए गए तहरीर में यह कहा है कि मारूफ से पूछने पर उसके द्वारा कोई जानकारी भी नहीं दी गई। जिसके बाद विवेक ने इंडियन बैंक शाखा बलरामपुर में जाकर जानकारी ली। बैंक से जानकारी दी गई कि संपूर्ण धनराशि दो किस्तों में अब्दुल गनी पुत्र शकील निवासी मोहल्ला बलुहा प्रोपराइटर मेकरानी ट्रेडर्स के खाते में तीन लाख 80 हजार व 55 हजार रुपए भेजी गई है। विवेक ने यह भी बताया कि उसे लोन का एक भी रुपया नहीं मिला है। तत्कालीन बैंक मैनेजर कुलभूषण अस्थाना, मारूफ व अब्दुल गनी तीनों आरोपियों ने वादी के साथ धोखाधड़ी व छल कपट कूट रचना एवं जालसाजी कर लोन की धनराशि का बंदर बांट कर लिया है। सीओ बृजनंदन राय ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा पंजीकृत कर थाना कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक शैलेश सिंह के नेतृत्व में टीम बनाई गई है। उन्होंने बताया कि प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में उप निरीक्षक अर्जुन पटेल, हेड कांस्टेबल रमाकांत यादव, रिजवान अहमद, दिलदार अली ने मारूफ पुत्र हैदर अली निवासी मोहल्ला पुरैना तालाब, अब्दुल गनी पुत्र मोहम्मद शकील निवासी मोहल्ला बलुहा व इंडियन बैंक तत्कालीन शाखा प्रबंधक कुलभूषण अस्थाना को गिरफ्तार किया गया है।

रेलिंग विहीन पुलिया से नहर में गिरा बाइक सवार, मौत

संवाददाता—महराजगंज। महराजगंज के सिन्दुरिया क्षेत्र के बाल्मिकी चौराहे के पास शुक्रवार की रात एक बड़ा हादसा हो गया। चौराहे के पास से बहने वाली देवरिया ब्रांच की मधुबनी शाखा नहर की रेलिंग विहीन पुलिया से एक बाइक सवार नहर में गिर गया। उसकी मौत हो गई। रात भर वह नहर में पड़ा रहा। शनिवार की सुबह उधर से गुजरे लोगों ने बाइक सहित उसे नहर में पड़ा देख शोर मचाया। मृतक की पहचान पश्चिम चंपारण बिहार के रहने वाले के रूप में हुई है। मृत युवक देवनारायण सिन्दुरिया व झनझनपुर स्थित दो राइस मिलों में बोरों की सिलाई का काम करता था। शुक्रवार की रात वह सिन्दुरिया से झनझनपुर स्थित राइस मिल पर बाइक से जा रहा था। अभी वह कसमरिया गांव के पूरब बाल्मिकी चौराहे स्थित देवरिया ब्रांच की मधुबनी शाखा नहर पर पहुंचा कि रेलिंग विहीन पुलिया से सीधे नहर में बाइक लेकर गिर गया। अनियंत्रित बाइक लेकर नहर में गिरने से उसकी वहीं मौत हो गई। लेकिन पूरी रात किसी को इस हादसे की भनक नहीं लग सकी।

शनिवार को सुबह नहर की तरफ टहलने गए ग्रामीणों ने नहर में बाइक और एक युवक का शव देख शोर मचाया। इस हादसे की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची सिन्दुरिया पुलिस जांच—पड़ताल में जुट गई।

बाइक के नम्बर से मृतक की पहचान देवनारायण निवासी ग्राम नौतनवा थाना सेमरा जिला पश्चिमी चंपारण बिहार के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रेलिंग विहीन इस पुलिया से आए दिन लोग नहर में गिरकर चोटिल होते रहते हैं। बड़े हादसे भी हो चुके हैं। क्षेत्र के टिंकू पटेल, संदेश पटेल, ज्ञानेंद्र पटेल, उमेश, राजेश यादव, धर्मेंद्र यादव, सुभाष, राजेन्द्र, शम्भू रामनरायन आदि लोगों ने बताया कि पुलिया की रेलिंग बनवाने के लिए बड़े अधिकारियों को लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया गया है, लेकिन अभी तक पुलिया का निर्माण नहीं हो सका। इसको लेकर लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि जल्दी रेलिंग नहीं बनवाया गया तो लामबंद होकर लोग आंदोलन को विवश होंगे। छोटेलाल, प्रभारी एसओ ने कहा कि मृतक के परिजनों को सूचना भेज दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

इमरान आलम, एसडीओ ने कहा कि यह पुलिया जर्जर हो गई है। सड़क के हिसाब से पुलिया संकरी भी हो गई है। उस जगह नई पुलिया का प्रस्ताव भेजा गया था, जो पास हो गया है। धन आवंटित होने के बाद पुलिया का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

प्रभु श्रीराम और माता जानकी विवाह के साक्षी बने लाखों लोग

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार होने वाले प्रभु श्री राम और माता जानकी के विवाह का साक्षी बनने के लिए अयोध्या में लाखों श्रद्धालु पहुंचे और देर रात तक अयोध्या के मंदिरों में होने वाले विवाह महोत्सव में सम्मिलित हुए। जहां शाम होते ही दर्जनों मंदिरों से ठाकुर जी की बारात निकली और अयोध्या भ्रमण के बाद देर रात बारात पुनः मंदिर में पहुंचे के बाद प्रभु श्री राम और माता जानकी का विवाह संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ विधि विधान से प्रारंभ हुआ विवाह पूरी रात चला और भक्तों की स्थिति ऐसी वह पूरी अपने आराध्य के विवाह नाचते रहे। बारात तो लगभग एक दर्जन मंदिरों से निकलती है लेकिन विवाह सैकड़ो मंदिरों में कराया जाता है। रसिक परंपरा को मानने वाले अपने आप को वधू पक्ष का मानते हैं इसलिए बारात नहीं निकलते।मां सरयू के किनारे—किनारे विराजमान रसमोद कुंज रसिक में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज किस संयोजन में रसिक परंपरा के अनुसार ठाकुर जी और माता जानकी का विवाह संपन्न हुआ। सुबह से ही तैयारी चल रही थी ठाकुर जी को दूल्हे के और माता जानकी को दुल्हन के रूप में तैयार किया गया मंदिर में विवाह संपन्न कराया गया पूरी रात देश के कोने—कोने से आए भक्त नाचते रहे और अपने प्रभु के विवाहका आनंद लेते रहे। महंत रामप्रिया शरण महाराज ने बताया कि हम लोग रसिक परंपरा के उपासक हैं और हम लोग वधू पक्ष के लोग हैं इसलिए बारात नहीं निकलते हैं मंदिर में प्रभु श्री राम और माता जानकी का विवाह संपन्न करते हैं। उन्होंने बताया कि विवाह के लिए तैयारी महीनों पहले प्रारंभ होती है तब जाकर विवाह संपन्न होता है।

कैम्प लगाकर किया जा रहा किसान सम्मान निधि का रजिस्ट्रेशन

संवाददाता—गोण्डा। कृषि विभाग द्वारा किसान सम्मान निधि की अगली किस्त के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराया जाना अनिवार्य करने के फरमान के बाद विभागीय टीम एडीओ कृषि त्रिवेंद्र तिवारी की अगुवाई में क्षेत्र में कैम्प लगा कर निःशुल्क फार्मर रजिस्ट्री की जा रही। भरहापारा पंचायत भवन पर रजिस्ट्रेशन कर रही तकनीकी सहायक नेहा मौर्य ने बताया कि रजिस्ट्रेशन कराने के लिए किसानों का आधारकार्ड तथा उसमें लगा मोबाइल नम्बर आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों के आधारकार्ड में मोबाइल नम्बर नहीं जुड़ा है वे जुड़वा लें तभी रजिस्ट्रेशन हो सकेगा।कृषि विभाग के अलावा लोकवाणी केन्द्रों पर भी फार्मर रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा जिसको लेकर लोकवाणी केंद्रों द्वारा मनमानी शुल्क वसूलने की शिकायतें भी आ रही हैं।

अवैध खनन मामले में जेसीबी मशीन सीज

संवाददाता—श्रावस्ती। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के जयचन्द्र पुरवा गांव के पास शुक्रवार रात में जेसीबी मशीन लगाकर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा था। सुबह किसी ने इसकी सूचना राजस्व विभाग को दे दी। इस पर राजस्व निरीक्षक राम किशुन थापा व क्षेत्रीय लेखपाल अनिल आर्या मौके पर पहुंच गए। लेकिन तब तक खनन करने वाले लोग ट्रैक्टर ट्राली लेकर मौके से जा चुके थे। जबकि जेसीबी मशीन खेत में खड़ी पाई गई। जेसीबी को गिरंट पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। साथ ही कार्रवाई के लिए तहरीर दिया गया। बताया जाता है कि क्षेत्र में जेसीबी मशीने लगाकर धड़ल्ले से मिट्टी खनन का कारोबार चल रहा है।

बच्चों की बनाएं अपार आईडी

संवाददाता—बहराइच। बीईओ डाली मिश्र ने बताया कि बेसिक स्कूलों, मान्यता प्राप्त स्कूलों में पंजीकृत सभी बच्चों का अपार आईडी बनना है। यह शासन की प्राथमिकता में शामिल है। बताया कि सभी स्कूलों के प्रबंधक व प्रिंसिपल को निर्देश दिए गए हैं कि शत—प्रतिशत बच्चों के अपार आईडी का कार्य पूर्ण कराएं।

फंदे से लटका मिला था युवक का शव, ग्रामीणों ने लाश रखकर सड़क की जाम

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने युवक का शव रखकर जलालपुर–बसखारी मार्ग जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने केस दर्ज करने का भरोसा दिलाकर जाम समाप्त कराया। मामला जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के फरीदपुर गांव का है।

फरीदपुर कोड़रा निवासी अखिलेश यादव (21) का शव शुक्रवार के दिन में गांव के निकट पेड़ से लटका मिला था। उसकी पत्नी रेखा ने एक दिन पहले ही पति समेत अन्य ससुरालीजन पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। आरोपियों का कहना था कि विवाद सोशल मीडिया के लिए रील बनाने को लेकर हुआ था। इसके बाद रेखा खुद ही चली गई थी।

इन सबके बीच युवक का शव मिलने के बाद परिजनों ने रेखा और पुलिसकर्मियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। कहा कि केस दर्ज करके कार्रवाई हो। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद शव मिलने पर परिजन घर पहुंचे। इसके बाद शनिवार सुबह जाम लगा दिया। कई थानों की पुलिस टीम के साथ सीओ जलालपुर अनूप सिंह मौके पर पहुंचे। समझाया कि केस दर्ज करके जांच की जाएगी। इसके बाद लगभग एक घंटे चला जाम समाप्त हो सका।

मंद बुद्धि किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र में मंदबुद्धि किशोरी के साथ दुष्कर्म कर रहे तीन बच्चों के पिता को शनिवार की सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। किशोरी के पेट में दर्द होने पर जब उसकी मां डाक्टर के पास ले गई तब पता चला कि उसकी बेटी सात महीने से गर्भवती है। केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। घटना महराजगंज जिले के श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के एक गांव की है। महिला का पति कई साल पहले घर छोड़कर कहीं चला गया था। इस अकेली महिला का जीवन आर्थिक तंगी के कारण बहुत कठिन हो गया था। अपनी मंदबुद्धि बेटी और अन्य बच्चों का पालन–पोषण करने के लिए महिला ने गुलरिहा थाना क्षेत्र के बरगदही चौराहे पर एक रेस्टोरेंट में काम करना शुरू किया। महिला अपनी बेटी के साथ उसी चौराहे पर स्थित किराए के कमरे में रहती थी। लेकिन महिला की इस कठिन जिंदगी में एक और घिनौनी घटना ने साया डाल दिया। उसी रेस्टोरेंट में काम करने वाला तीन बच्चों का पिता, जिसने किशोरी की मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर उसके साथ घिनौनी हरकत की।

रोजाना निकल रहा 100 मीट्रिक टन कूड़ा, अब निस्तारण का हाईटेक इंतजाम

संवाददाता–संतकबीरनगर। डीएम के दिशा निर्देशों के क्रम में 50 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक लीगेसी वेस्ट का निस्तारण आधुनिक तरीके से किया जा रहा है। नोएडा की फर्म मै. जे एस एनवारो प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से 440 रुपए प्रति मीट्रिक टन की दर से कूड़े का निस्तारण हो रहा है। डीएम महेंद्र सिंह तंवर की पहल पर जिले में कूडा निस्तारण का कार्य शुरू हो गया है। इसी क्रम में 50 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक लीगेसी वेस्ट का निस्तारण आधुनिक तरीके से किया जा रहा है। जनपद में कुल आठ नगर निकाय हैं, जो प्रतिदिन 100 मीट्रिक टन से भी अधिक कूड़ा, कचरा उत्सर्जित करते हैं।

जिले में हरिहरपुर एवं मगहर में कुल मिलाकर 50 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक लीगेसी वेस्ट एकत्रित है, जिसको विधिवत निविदा के माध्यम से निस्तारण किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद द्वारा भी हरिहरपुर की साइट पर अपना कूड़ा जाता रहा है। डीएम ने कूडा निस्तारण के तरीकों को देखा। संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिशा निर्देश दिया।

दरअसल, डीएम संत कबीरनगर के दिशा निर्देशों के क्रम में 50 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक लीगेसी वेस्ट का निस्तारण आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

नोएडा की फर्म मै. जे एस एनवारो प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से 440 रुपए प्रति मीट्रिक टन की दर से कूड़े का निस्तारण हो रहा है। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद द्वारा भी हरिहरपुर की साइट पर अपना कूड़ा जाता रहा है। जनपद में हरिहरपुर साइट पे लगभग 24000 मीट्रिक टन तथा मगहर में 2 साइट पे लगभग 35000 मीट्रिक टन कूड़ा है, जिसको निस्तारित करना है। इस प्रकार कुल 50 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक लीगेसी वेस्ट का निस्तारण आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पंचायत, नगर बाजार-बस्ती।

निविदा सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण तथा समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में नगर पंचायत नगर बाजार, बस्ती में राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत सीमान्तर्गत विभिन्न वार्डों में निमार्ण कार्य करायें जाने हेतु निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 10–12–2024 समय 02:00 बजे तक नगर पंचायत कार्यालय पर ही की जायेगी। मुहरबन्द निविदायें दिनांक 27–12–2024 समय 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार, बस्ती पर आमंत्रित की जाती हैं। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन 03:00 बजे निविदादाताओं/अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोला जायेगा। अन्य जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। कार्य का विवरण निम्नवत है:–

क्र0 सं0	निर्माण कार्य का नाम	आगणन धनराशि	धरोहर धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	वार्ड नं0–06 भवानी प्रसाद नगर में राम करन के मकान से संजय के शौचालय होते हुए राम गोपाल के प्लॉट तक सी०सी०सड़क का निर्माण कार्य।	2,70,831.00	27,083.00	319.00	6 माह
2	वार्ड नं0–14 चन्द्रशेखर आजाद नगर में पिच मार्ग से कृष्ण मुरारी पान्डेय के मकान तक सी०सी० सडक का निर्माण कार्य।	3,56,757.00	35,676.00	420.00	6 माह
3	वार्ड नं0–03 जे०पी० नगर में बकैनिया द्वीप में होम्योपैथिक हास्पिटल में सी०सी० सड़क व रेलिंग का अवशेष कार्य।	2,96,035.00	29,603.00	350.00	6 माह
4	वार्ड नं0–08 शिवाजी नगर लखनहट में स्थित वट वृक्ष का चबुतरा का निर्माण कार्य।	2,41,556.00	21,456.00	253.00	6 माह
5	वार्ड नं0–06 भवानी प्रसाद नगर में भथरिन्हाजोत मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया का सुधार कार्य।	2,44,996.00	24,450.00	289.00	6 माह
6	वार्ड नं0–14 फुलवरिया बरगाह मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया का सुधार कार्य।	1,15,572.00	11,557.00	136.00	6 माह
7	वार्ड नं0–02 सन्तरविदास नगर में स्थिति राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय अवशेष बाउन्ड्रीवाल तथा इन्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	4,84,921.00	48,492.00	572.00	6 माह
8	इंण्डिया मार्का हैण्ड पम्प 10 अद्द रिबोर।	4,91,800.00	49,180.00	580.00	6 माह
9	नगर पंचायत के वेबसाइड बनाने का कार्य।	4,95,000.00	49,500.00	584.00	1 माह
10	वार्ड नं0–15 दीन दयाल नगर में छटठी माता स्थान से राम केश के मकान तक सी०सी० सड़क का निर्माण कार्य।	4,87,469.00	48,747.00	575.00	6 माह
11	वार्ड नं0–14 फुलवरिया पान्डेय में मंगल के घर से बिहोती कुआ तक नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य।	2,61,569.00	26,156.00	308.00	6 माह
12	वार्ड नं0–10 भगत सिंह नगर में सोलिंग मार्ग से हरिकेश के मकान तक सी०सी० सड़क का कार्य।	3,78,347.00	37,835.00	446.00	6 माह
13	वार्ड नं0–13 श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर टेमा मे सामुदायिक शौचालय का जीर्णोद्धार व रंगाई पुताई का कार्य।	3,20,075.00	32,007.00	377.00	6 माह
14	वार्ड नं0–07 वशिष्ठ नगर हरनखा में पंचायत भवन का जीर्णोद्धार व रंगाई पुताई का कार्य।	4,98,992.00	49,899.00	588.00	6 माह
15	वार्ड नं0–01 संत रविदास नगर में दुर्गाजी मंदिर से वीरेन्द के मकान तक नाली पर आर०सी०सी० स्लैब व कुआ पर जाली लगाने का कार्य।	2,12,886.00	21,288.00	251.00	6 माह
16	वार्ड नं0–07 वशिष्ठ नगर में कलवारी मार्ग से कृषि गोदाम तक सड़क व दोनो तरफ अन्डरग्राउन्ड नाली एवं इन्टरलाकिंग पटरी का निर्माण कार्य।	4,53,327.00	45,332.00	535.00	6 माह
17	वार्ड न0–09 राजा उदय प्रताप नगर में मेन रोड से बी०आर०सी० जाने वाले मार्ग अवशेष इन्टरलाकिंग सडक का निर्माण कार्य।	2,39,914.00	23,991.00	283.00	6 माह

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत नगर बाजार,
जनपद–बस्ती

नीलम सिंह
अध्यक्ष
नगर पंचायत नगर बाजार,
जनपद–बस्ती

पत्रांक 349/न0प0न0बा0/2024–25   दिनांक:–06.12.2024

तीन बाइकों की टक्कर में पिता–दो बेटियां समेत 5 की मौत, 3 की हालत गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। मोहद्दीपुर में नहर रोड के पास शुक्रवार की देर रात तीन बाइक की टक्कर में पिता और दो बेटियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पत्नी और एक बेटा सहित तीन लोग घायल हैं। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मरने वालों की पहचान मोहद्दीपुर लेबर कॉलोनी निवासी सफाईकर्मी विक्रांत (32), उनकी तीन साल की बेटी लाडो और एक साल की बेटी परी, रुस्तमपुर के मोनू चौहान (23) और बेतियाहाता हनुमान मंदिर के पास रहने वाले सूरज (21) के रूप में हुई है। हादसे में विक्रांत की पत्नी निकिता (30), 5 साल का बेटा अंगद और तीसरा बाइक सवार चिन्यानंद मिश्र (30) घायल हैं।

पुलिस के मुताबिक रात करीब 12 बजे सूरज और मोनू एक ही बाइक से किसी मुंडन कार्यक्रम से घर लौट रहे थे, जबकि विक्रांत अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ बाइक से हुमायूंपुर स्थित ससुराल से वैवाहिक कार्यक्रम से घर लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मोहद्दीपुर में नहर रोड के पास विक्रांत अपनी बाइक मोड़कर नहर रोड की तरफ जा रहा था तभी कूड़ाघाट की तरफ से आ रहे सूरज और मोनू की बाइक से उसकी टक्कर हो गई। इसी बीच तीसरा बाइक सवार चिन्यानंद भी इनसे टकराया और फिर बाइक समेत ट्रक से भिड़ गया। पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने पांच को मृत घोषित कर दिया। तीनों घायलों का इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिवारीजनों में कोहराम मच गया है।

हादसे में मारे गए तीन लोग तो एक ही परिवार के हैं जबकि दो दोस्त बताए जा रहे हैं। सभी किसी न किसी मांगलिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। मौत की खबर के बाद इनके घर से लेकर अस्पताल तक कोहराम मच गया। कोई अपने पौत्र को लेकर रो रहा था तो किसी के पति की मौत हो चुकी थी लेकिन उसके बारे में बताने की किसी में हिम्मत नहीं थी। डीएम और एसएसपी मौके पर पहुंच कर घायलों के बेहतर इलाज के प्रबंधक में लगे हुए थे।

मोहद्दीपुर बिजली कॉलोनी का रहने वाला विक्रांत सफाईकर्मी था। उसके ससुराल में शादी थी पर सुबह उसकी ड्यूटी भी थी। लिहाजा रात में ही पत्नी और बच्चों को लेकर वह बाइक से घर के लिए निकाल गया था। हालांकि विक्रांत के ससुराल वालों ने उसे रात में घर जाने से रोका था। उन लोगों का कहना था कि सुबह चले जाना। हादसे में विक्रांत के साथ उसकी दोनों बेटियों की भी मौत हो गई जबकि पत्नी और पांच साल का बेटा जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। दुर्घटना के बाद इनके परिवारीजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। ससुराल के साथ घरवालों की जिला अस्पताल पर भीड़ रही। हादसे में घायल विक्रांत की पत्नी निकिता अपने पति और बेटियों की तलाश कर रही थी। हृदय विदारक स्थिति तब बन गई जब वह अपनी पति की चद्दर से ढंकी लाश के पास बैठ कर उनके बारे में ही लोगों से पूछ रही थी और यह सब देखकर लोगों की आंखे नम हो रही थी। विक्रांत ने शादी में काफी डांस किया था उसकी बातें कर लोगों के आंसू निकल रहे थे। परिवारीजनों की चीत्कार से रात का सन्नाटा टूट रहा था।

वहीं दूसरी तरफ सूरज और मोनू दोनों दोस्त हैं। वे मुंडन कार्यक्रम में गए थे लेकिन किसके यहां मुंडन कार्यक्रम था उनके घरवालों को इसकी जानकारी नहीं थी। मौत की खबर के बाद मोनू की दादी और पत्नी अस्पताल पहुंची थीं। अपने पौत्र की मौत की खबर के बाद बूढ़ी दादी की आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। वह बार–बार यही कर रहे थे कि मैं हमेशा मना करती थी कि इतनी रात को कहीं न जाया करो, अब हादसा हो गया। मोनू एंबुलेंस चालक है। वहीं सूरज के घरवालों वालों को देर रात तक हादसे की जानकारी नहीं हो पाई थी। परिवारीजन के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही थी।

जिला अस्पताल की इमरजेंसी में स्ट्रेचर पर इलाज के दौरान होश में आते ही निकिता ने अपने पति विक्रांत के बारे में पूछा। अगला शब्द बच्चियों और बेटे के हाल का था। दर्द से कराहती निकिता से सभी ने झूठ बोलकर दिलासा दिया। उसके बगल के स्ट्रेचर पर ही चादर से लिपटे पति की लाश थी। वह इससे अंजान थी। उस पर नजर पड़ी तो बताया गया कि वह दूसरा बाइक सवार युवक है। उसके लिए भी उसके आंखें नम हो गईं। फिर वह बच्चों के लिए जिद की तो परिजनों ने उसे बताया कि बच्ची अपने बाबा के साथ घर चली गई है, बाबू भी घर पर ही है। पति को मामूली चोट है और वह दवा लेने गया है।

दरअसल, पति के साथ यह उसकी आखिरी रात है, इससे वह अभी अंजान है। पति के साथ मायके के कार्यक्रम में शामिल होने गई निकिता के साथ पति विक्रांत ने खूब डांस भी किया था। पत्नी अभी मायके ही रुकना चाहती थी। सभी विक्रांत को भी रोकना चाहते थे। लेकिन, विक्रांत के सुबह ऑफिस जाने के लिए घर जाना जरूरी था। इस वजह से वह पति के साथ चली गई। उसके सामने ही हादसा हुआ। वह हादसे के बाद बेहोश हो गई थी।

विक्रांत के पिता ने बताया कि घर पहुंचने से थोड़ी देर पहले ही उनकी बात हुई थी। तब विक्रांत ने बताया कि वह घर के करीब पहुंच गया है और बाइक चला है। इस वजह से मोबाइल फोन पर बातचीत नहीं करेगा। लेकिन, किसे पता था कि अगले ही पल मौत उसका इंतजार कर रही है।

दीवार गिरने के बाद मची चीख पुकार, परिवार में कोहराम

संवाददाता–गोरखपुर। सुबह 11 बजे के आसपास, जब नगर निगम के मजदूर सामान्य टैक्सी स्टैंड के पास नाला निर्माण कार्य में व्यस्त थे, तभी अचानक गहरे नाले की वजह से बगल में स्थित विद्युत उपकेंद्र की दीवार गिर पड़ी। इसके साथ ही मजदूरों की चीखें सुनाई दीं, बचाओं–बचाओं उनका दर्द और डर साफ सुना जा सकता था। यह दृश्य दिल दहला देने वाला था, क्योंकि दीवार गिरने के कारण पांच मजदूर मलबे में दब गए थे। इस दर्दनाक दृश्य ने आसपास के लोगों को हिला कर रख दिया। स्थानीय लोग जो पास ही मौजूद थे, बिना किसी डर के घटनास्थल पर दौड़े। वे मलबे को हटाकर मजदूरों को बाहर निकालने में जुट गए। इस दौरान कुछ स्थानीय व्यापारी भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने अपनी दुकानों से रस्सी, सब्बल और बांस लाकर बचाव कार्य में मदद की। हर कोई अपनी जान की परवाह किए बिना मजदूरों को बचाने के लिए हाथ–पांव मार रहा था।

मलबे में दबे मजदूरों की स्थिति गंभीर थी। उनकी चीखों और दर्द ने स्थानीय लोगों को विचलित कर दिया, लेकिन सभी ने मिलकर पूरा प्रयास किया। कुछ ही समय में पुलिस और नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में शामिल हुए। तुरंत घायल मजदूरों को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे की खबर जैसे ही मजदूरों के स्वजन को मिली घर में कोहराम मच गया। प्रदीप कुमार की पत्नी, अशोक कुमार के माता–पिता, और वीरु के परिवार के सदस्य भागते हुए अस्पताल पहुंच गए। उनकी आंखों में आंसू हैं और वे अपने परिवारजन की सलामती की दुआ कर रहे हैं। जिला अस्पताल में रिश्तेदारों और स्वजन का रो–रोकर बुरा हाल है। अस्पताल के गलियारों में मातम पसरा हुआ है। नगर निगम द्वारा नाले के निर्माण के दौरान हुए हादसे में पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने निर्माण कार्यों में सुरक्षा उपायों की लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घायलों के स्वजन ने हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और ठीकेदार पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता, तो यह हादसा टाला जा सकता था।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं.   /2024
रामसजीवन आदि
बनाम
महेश कुमार आदि
1. महेश कुमार पुत्र राममिलन 2. रामगोपाल 3. मिश्रीलाल पुत्रगण बजरंगी 4. बुधिसागर पुत्र मंगल प्रसाद 5. विमला पत्नी मंगल प्रसाद साकिनान मौजा डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 6. श्रीमती हीरा पत्नी झिनकान साकिन भवनापुर तप्पा नवाई परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग 7. सरकार उ0प्र0 जरिए कलेक्टर बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 30–12–2024
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 12 के 30 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के 12 माह के 07 दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–53/2016
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रमेश सिंह
बनाम
उमाशंकर आदि
1. असलम 2. असरफ 3. अरसद 4. इरफान 5. इमरान पुत्रगण रफीक 6. कमरून्निशा पत्नी रफीक साकिनान मौजा पुरैनाखास तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 20–12–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान द्वितीय अपर सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–116/2024
योगेन्द्र बहादुर सिंह आदि
बनाम
रामलगन सिंह आदि
1/1 रवि प्रकाश सिंह 1/2 चन्द्र प्रकाश सिंह पुत्रगण स्व0 ओम प्रकाश सिंह 1/3 श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व0 ओम प्रकाश 1/4 श्रीमती आशा सिंह 1/5 श्रीमती ऊषा सिंह 1/6 श्रीमती निशा सिंह 1/7 श्रीमती पूजा सिंह पुत्रीगण स्व0 ओम प्रकाश सिंह 1/8 महेन्द्र प्रताप सिंह 1/9 भानु प्रताप सिंह पुत्रगण स्व0 रामलगन सिंह निवासीगण ग्राम रानीपुरलाद तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग
तारीख पेशी 06–01–2025
हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 06 माह 01 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com